रविवार 26 नवंबर, 2026

विषय — धन्यवाद

स्वर्ण पाठ: फिलिप्पियों 4: 6

"किसी भी बात की चिन्ता मत करो: परन्तु हर एक बात में तुम्हारे निवेदन, प्रार्थना और बिनती के द्वारा धन्यवाद के साथ परमेश्वर के सम्मुख अपस्थित किए जाएं।"

उत्तरदायी अध्ययन: फिलिप्पियों 4: 1, 4, 5, 7, 9, 11, 19, 20

1 इसलिये हे मेरे प्रिय भाइयों, जिन में मेरा जी लगा रहता है जो मेरे आनन्द और मुकुट हो, हे प्रिय भाइयो, प्रभु में इसी प्रकार स्थिर रहो॥
4 प्रभु में सदा आनन्दित रहो; मैं फिर कहता हूं, आनन्दित रहो।
5 तुम्हारी कोमलता सब मनुष्यों पर प्रगट हो: प्रभु निकट है।
7 तब परमेश्वर की शान्ति, जो समझ से बिलकुल परे है, तुम्हारे हृदय और तुम्हारे विचारों को मसीह यीशु में सुरिक्षत रखेगी॥
9 जो बातें तुम ने मुझ से सीखीं, और ग्रहण की, और सुनी, और मुझ में देखीं, उन्हीं का पालन किया करो, तब परमेश्वर जो शान्ति का सोता है तुम्हारे साथ रहेगा॥
11 यह नहीं कि मैं अपनी घटी के कारण यह कहता हूं; क्योंकि मैं ने यह सीखा है कि जिस दशा में हूं, उसी में सन्तोष करूं।
19 मेरा परमेश्वर भी अपने उस धन के अनुसार जो महिमा सहित मसीह यीशु में है तुम्हारी हर एक घटी को पूरी करेगा।
20 हमारे परमेश्वर और पिता की महिमा युगानुयुग होती रहे। आमीन॥

पाठ उपदेश

बाइबल

1. भजन संहिता 139: 7-10

7 मैं तेरे आत्मा से भाग कर किधर जाऊं? वा तेरे साम्हने से किधर भागूं?
8 यदि मैं आकाश पर चढ़ूं, तो तू वहां है! यदि मैं अपना बिछौना अधोलोक में बिछाऊं तो वहां भी तू है!
9 यदि मैं भोर की किरणों पर चढ़ कर समुद्र के पार जा बसूं,
10 तो वहां भी तू अपने हाथ से मेरी अगुवाई करेगा, और अपने दाहिने हाथ से मुझे पकड़े रहेगा।

2. रूत 1: 1 (और एक), 2 (से *3rd* ,), 3, 4 (से:), 5, 8, 14 (और ओर्पा), 16, 19

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

1 यहूदा के बेतलेहेम का एक पुरूष अपनी स्त्री और दोनों पुत्रों को संग ले कर मोआब के देश में परदेशी हो
कर रहने के लिये चला।
2 उस पुरूष का नाम एलीमेलेक, और उसकी पत्नि का नाम नाओमी, और उसके दो बेटों के नाम महलोन
और किल्योन थे।
3 और नाओमी का पति एलीमेलेक मर गया, और नाओमी और उसके दोनों पुत्र रह गए।
4 और इन्होंने एक एक मोआबिन ब्याह ली; एक स्त्री का नाम ओर्पा और दूसरी का नाम रूत था। फिर वे वहां
कोई दस वर्ष रहे।
5 जब महलोन और किल्योन दोनों मर गए, तब नाआमी अपने दोनों पुत्रों और पति से रहित हो गई।
8 तब नाओमी ने अपनी दोनों बहुओं से कहा, तुम अपने अपने मैके लौट जाओ। और जैसे तुम ने उन से जो
मर गए हैं और मुझ से भी प्रीति की है, वैसे ही यहोवा तुम्हारे ऊपर कृपा करे।
14 ... और ओर्पा ने तो अपनी सास को चूमा, परन्तु रूत उस से अलग न हुई।
16 रूत बोली, तू मुझ से यह बिनती न कर, कि मुझे त्याग वा छोड़कर लौट जा; क्योंकि जिधर तू जाए उधर मैं
भी जाऊंगी; जहां तू टिके वहां मैं भी टिकूंगी; तेरे लोग मेरे लोग होंगे, और तेरा परमेश्वर मेरा परमेश्वर होगा.
19 सो वे दोनों चल निकलीं और बेतलेहेम को पहुंची। और उनके बेतलेहेम में पहुंचने पर कुल नगर में उनके
कारण धूम मची; और स्त्रियां कहने लगीं, क्या यह नाओमी है?

3. रूत 2: 1, 2, 8 (से *1st* ,), 8 (मत जाओ), 10 (से *1st* ,), 10 (और कहा), (से *2nd* ,), 11 (से :), 12

1 नाओमी के पति एलीमेलेक के कुल में उसका एक बड़ा धनी कुटुम्बी था, जिसका नाम बोअज था।
2 और मोआबिन रूत ने नाओमी से कहा, मुझे किसी खेत में जाने दे, कि जो मुझ पर अनुग्रह की दृष्टि करे,
उसके पीछे पीछे मैं सिला बीनती जाऊं।
8 तब बोअज ने रूत से कहा, हे मेरी बेटी, क्या तू सुनती है? किसी दूसरे के खेत में बीनने को न जाना, मेरी ही
दासियों के संग यहीं रहना।
10 तब वह भूमि तक झुककर मुंह के बल गिरी, और उस से कहने लगी, क्या कारण है कि तू ने मुझ परदेशिन
पर अनुग्रह की दृष्टि करके मेरी सुधि ली है?
11 बोअज ने उत्तर दिया, जो कुछ तू ने पति मरने के पीछे अपनी सास से किया है, और तू किस रीति अपने
माता पिता और जन्मभूमि को छोड़कर ऐसे लोगों में आई है जिन को पहिले तू ने जानती थी, यह सब मुझे
विस्तार के साथ बताया गया है।
12 यहोवा तेरी करनी का फल दे, और इस्राएल का परमेश्वर यहोवा जिसके पंखों के तले तू शरण लेने आई है
तुझे पूरा बदला दे।

4. रूत 4: 13, 17 (वे और)

13 तब बोअज ने रूत को ब्याह लिया, और वह उसकी पत्नी हो गई; और जब वह उसके पास गया तब यहोवा
की दया से उसको गर्भ रहा, और उसके एक बेटा उत्पन्न हुआ।
17 ... लड़के का नाम ओबेद रखा। यिशै का पिता और दाऊद का दादा वही हुआ॥

5. भजन संहिता 121: 7, 8

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

7 यहोवा सारी विपत्ति से तेरी रक्षा करेगा; वह तेरे प्राण की रक्षा करेगा।
8 यहोवा तेरे आने जाने में तेरी रक्षा अब से ले कर सदा तक करता रहेगा॥

6. लूका 4: 14 (से :)

14 फिर यीशु आत्मा की सामर्थ से भरा हुआ गलील को लौटा,

7. लूका 12: 22, 23, 29 (तलाश)-32

22 फिर उस ने अपने चेलों से कहा; इसलिये मैं तुम से कहता हूं, अपने प्राण की चिन्ता न करो, कि हम क्या खाएंगे; न अपने शरीर की कि क्या पहिनेंगे।
23 क्योंकि भोजन से प्राण, और वस्त्र से शरीर बढ़कर है।
29 और तुम इस बात की खोज में न रहो, कि क्या खाएंगे और क्या पीएंगे, और न सन्देह करो।
30 क्योंकि संसार की जातियां इन सब वस्तुओं की खोज में रहती हैं: और तुम्हारा पिता जानता है, कि तुम्हें इन वस्तुओं की आवश्यकता है।
31 परन्तु उसके राज्य की खोज में रहो, तो ये वस्तुऐं भी तुम्हें मिल जाएंगी।
32 हे छोटे झुण्ड, मत डर; क्योंकि तुम्हारे पिता को यह भाया है, कि तुम्हें राज्य दे।

विज्ञान और स्वास्थ्य

1. 494: 10-19

ईश्वरीय प्रेम हमेशा से मिला है और हमेशा हर मानवीय आवश्यकता को पूरा करेगा। यह कल्पना करना ठीक नहीं है कि यीशु ने दिव्य शक्ति का चयन केवल संख्या के लिए या सीमित समय के लिए ठीक करने के लिए किया, क्योंकि सभी मानव जाति के लिए और सभी समयों में, दिव्य प्रेम सभी अच्छे की आपूर्ति करता है।

कृपा का चमत्कार प्रेम का कोई चमत्कार नहीं है। यीशु ने शारीरिक शक्ति के साथ-साथ आत्मा की असीम क्षमता की अक्षमता का प्रदर्शन किया, इस प्रकार मानव भावना को अपने स्वयं के दोषों से भागने में मदद करने और दिव्य विज्ञान में सुरक्षा की तलाश करने के लिए।

2. 322: 26-31

पदार्थ के सपोसिटिटिव जीवन में विश्वास के तेज अनुभव, साथ ही साथ हमारी निराशा और निरंतर व्यर्थ, हमें थका हुआ बच्चों की तरह दिव्य प्रेम की ओर मोड़ते हैं। तब हम जीवन को दिव्य विज्ञान में सीखना शुरू करते हैं। वीनिंग की इस प्रक्रिया के बिना, "क्या तू खोज कर ईश्वर को खोज सकता है?"

3. 365: 31-2

गरीब पीड़ित हृदय को अपने सही पोषण की आवश्यकता होती है, जैसे कि शांति, क्लेश में धैर्य, और प्रिय पिता की प्रेम-कृपा का एक अनमोल भाव।

4. 304: 9-14

यह क्रिश्चियन साइंस का सिद्धांत है: उस दिव्य प्रेम को उसकी अभिव्यक्ति, या वस्तु से वंचित नहीं किया जा सकता है; वह आनन्द दुःख में नहीं बदल सकता, क्योंकि दुःख आनन्द का स्वामी नहीं है; वह अच्छाई कभी स्पष्ट नहीं कर सकता; वह पदार्थ कभी भी मन उत्पन्न नहीं कर सकता है और न ही जीवन का परिणाम मृत्यु है।

5. 454: 18-24

प्रेम प्रेरणा देता है, रोशनी करता है, नामित करता है और मार्ग प्रशस्त करता है। सही इरादों ने विचार, और ताकत और बोलने और कार्रवाई करने की स्वतंत्रता को चुटकी दी। सत्य की वेदी पर प्रेम पुरोहिती है। दिव्य प्रेम के लिए धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करें नश्वर मन के पानी पर आगे बढ़ने के लिए, और सही अवधारणा बनाएं। धीरज "को अपना पूरा काम करने दो॥"

6. 504: 12 (वहाँ)-14

...ऐसी कोई जगह नहीं है जहाँ ईश्वर का प्रकाश दिखाई न देता हो, क्योंकि सत्य, जीवन और प्रेम अनंत विस्तार में व्याप्त हैं और सर्वत्र मौजूद हैं।

7. 91: 5-8

आइए हम खुद को इस विश्वास से मुक्त करें कि मनुष्य ईश्वर से अलग हो जाता है, और केवल ईश्वरीय सिद्धांत, जीवन और प्रेम का पालन करता है। यहाँ सभी सच्चे आध्यात्मिक विकास के लिए प्रस्थान का महान बिंदु है।

8. 303: 28-2

आध्यात्मिक मनुष्य ईश्वर की छवि या विचार है, एक ऐसा विचार जो न तो खो सकता है और न ही अपने ईश्वरीय सिद्धांत से अलग हो सकता है। जब भौतिक ज्ञान के प्रति अनुभूतियां हुईं, तब प्रेरितों ने यह घोषणा की कि कुछ भी उसे ईश्वर, मीठे भाव और जीवन और सत्य की उपस्थिति से अलग नहीं कर सकता।

9. 3: 22-9

क्या हम वास्तव में पहले से ही प्राप्त अच्छे के लिए आभारी हैं? फिर हम अपने आप को प्राप्त आशीर्वादों का लाभ उठाएँगे, और इस तरह अधिक प्राप्त करने के लिए फिट होंगे। कृतज्ञता धन्यवाद की एक मौखिक अभिव्यक्ति की तुलना में बहुत अधिक है। काम भाषण की तुलना में अधिक आभार व्यक्त करता है।

यदि हम जीवन, सत्य और प्रेम के लिए कृतघ्न हैं, और इसलिए हम सभी के आशीर्वाद के लिए भगवान का धन्यवाद करते हैं, हम निष्ठावान हैं और तीखे शब्दों को अपने ऊपर लेते हैं जो हमारे मास्टर कपटी लोगों को कहते हैं। ऐसे मामले में, होंठ पर उंगली रखने के लिए एकमात्र स्वीकार्य प्रार्थना है, और जो आशीर्वाद हमें मिला है, उसे याद रखो। जबकि हृदय ईश्वरीय सत्य और प्रेम से दूर है, हम बंजर जीवन की अकर्मण्यता को छिपा नहीं सकते।

हमें सबसे अधिक जरूरत है, अनुग्रह में वृद्धि, धैर्य, नम्रता, प्रेम, और अच्छे कार्यों में व्यक्त की गई इच्छा की प्रार्थना। हमारे मास्टर की आज्ञाओं को रखने के लिए और उनके उदाहरण का पालन करने के लिए, क्या वह हमारे लिए उचित ऋण है और उसने जो कुछ भी किया है, उसके लिए हमारी कृतज्ञता का एकमात्र योग्य प्रमाण है।

10. 4: 12-16

हमेशा अच्छा रहने की आदतन संघर्ष एक दैनिक प्रार्थना है। इसका मकसद उनके द्वारा लाए गए आशीर्वाद में प्रकट होना है, — वह आशीर्वाद, जो भले ही श्रव्य शब्दों में स्वीकार नहीं किया जाता है, हमारी योग्यता को प्यार का भागीदार बनाते हैं।

11. 323: 28-6

क्रिश्चियन साइंस का प्रभाव उतना नहीं देखा जाता जितना महसूस किया जाता है। यह स्वयं को बोलने वाले सत्य की "स्थिर, हल्की आवाज" है। हम या तो इस उच्चारण से मुंह मोड़ रहे हैं, या हम इसे सुन रहे हैं और ऊपर जा रहे हैं। छोटे बच्चे के रूप में बनने और नए के लिए पुराने को छोड़ने की इच्छा, रेंडरर्स ने उन्नत विचार के ग्रहणशील होने का सोचा। झूठे स्थलों को छोड़ने की खुशी और उन्हें गायब देखने के लिए खुशी, - यह स्वभाव परम सद्भाव को बढ़ाने में मदद करता है। भाव और आत्म की शुद्धि ही प्रगति का प्रमाण है। “धन्य हैं वे, जिन के मन शुद्ध हैं, क्योंकि वे परमेश्वर को देखेंगे।”

12. 442: 25-29

संत पॉल कहते हैं, "डरते और कांपते हुए अपने अपने उद्धार का कार्य पूरा करते जाओ:" ईश ने कहा, "हे छोटे झुण्ड, मत डर; क्योंकि तुम्हारे पिता को यह भाया है, कि तुम्हें राज्य दे।" यह सच्चाई क्रिश्चियन साइंस है।

दैनिक कर्तव्यों

मैरी बेकर एड्डी द्वारा

दैनिक प्रार्थना

प्रत्येक दिन प्रार्थना करने के लिए इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य होगा: "तुम्हारा राज्य आओ;"

ईश्वरीय सत्य, जीवन और प्रेम के शासन को मुझमें स्थापित करो, और मुझ पर शासन करो; और तेरा वचन सभी मनुष्यों के स्नेह को समृद्ध कर सकता है, और उन पर शासन करो!

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 4

उद्देश्यों और कृत्यों के लिए एक नियम

न तो दुश्मनी और न ही व्यक्तिगत लगाव मदर चर्च के सदस्यों के उद्देश्यों या कृत्यों को लागू करना चाहिए। विज्ञान में, दिव्य प्रेम ही मनुष्य को नियंत्रित करता है; और एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट प्यार की मीठीसुविधाओं को दर्शाता है, पाप में डांटने पर, सच्चा भाईचारा, परोपकार और क्षमा में। इस चर्च के सदस्यों को प्रतिदिन ध्यान रखना चाहिए और प्रार्थना को सभी बुराईयों से दूर करने, भविष्यद्वाणी, न्याय करने, निंदा करने, परामर्श देने, प्रभावित करने या गलत तरीके से प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 1

कर्तव्य के प्रति सतर्कता

इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रतिदिन आक्रामक मानसिक सुझाव से बचाव करे, और भूलकर भी ईश्वर के प्रति अपने कर्तव्य की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, अपने नेता और मानव जाति के लिए। उनके कामों से उन्हें आंका जाएगा, — और वह उचित या निंदनीय होगा।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 6

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।